ग्यारस का भोग। by Amit Kalra Meetu

एक बार आओ जी श्याम म्हारे आंगणा
आई आई रे ग्यारस की रात के भोग लगा जाओ

बींदणी रे जागे म्हारी टाबरिया सब सोवे छे
फिर जावेंगे रे टाबर जाग के भोग लगा जाओ
आई आई रे ग्यारस की रात के भोग लगा जाओ
एक बार आओ जी श्याम म्हारे आंगणा.....

ताजा पानी लेके थारो खीचड़ो बणायो छे
जिसमे लगवाई रे घी की धार के भोग लगा जाओ
आई आई रे ग्यारस की रात के भोग लगा जाओ
एक बार आओ जी श्याम म्हारे आंगणा.....

बींदणी रे बरती म्हारी टाबरिया सब जिद्दी छे
कदे कर दे ना झूठ मिठाल के भोग लगा जाओ
आई आई रे ग्यारस की रात के भोग लगा जाओ
एक बार आओ जी श्याम म्हारे आंगणा.....

चूरमा बणायो श्याम भोग थे लगाओ जी
थारी देखे रे भगत यूँ बाँट के भोग लगा जाओ
आई आई रे ग्यारस की रात के भोग लगा जाओ
एक बार आओ जी श्याम म्हारे आंगणा.....

कौशिक और भगवान दास अर्ज़ी यो लगावे जी
म्हारी रखले रे बाबा लाज के भोग लगा जाओ
आई आई रे ग्यारस की रात के भोग लगा जाओ
एक बार आओ जी श्याम म्हारे आंगणा.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%b8-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%97-by-amit-kalra-meetu/